

अय मर्क तेरे बेटे तुझे क्यों जानते नहीं
इतने बदल गये हैं कि पहचानते नहीं

अय मर्क अय मर्क sssss

ओ मर्क sss ओ sss मर्क sss ओ मर्क

सच को कहें तो किस से कहें बुरा मानने लगे
~~हैं~~ को बुरा कहा भी तो बुरा मानते नहीं
इतने बदल..... अय मर्क ॥३॥

शर्मिंदगी लगने लगी, हालात देखकर
एहशान मंद लोग भी, तुझे जानते नहीं
इतने बदल..... अय मर्क ॥३॥

खुद अपनी बेवशी पे बहे, अरक जो "श्री बाबा श्री" जी
मर्क याद दिला दे इन्हें, ये मानते नहीं
इतने बदल..... अय मर्क